संवाद पत्र पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक 6 | द्वितीय वर्ष | त्रैमासिक | अप्रैल, 2008

माननीय रेल राज्य मंत्री द्वारा तृतीय सम्पादक सम्मेलन का उद्घाटन

माननीय रेल राज्यमंत्री श्री आर. वेलू के साथ महाप्रबन्धक/निर्माण श्री शिव कुमार विचार-विमर्श करते हुए

माननीय रेल राज्य मंत्री श्री आर वेलू ने 4 फरवरी-08 को आइजोल में महामहिम राज्यपाल मिजोरम, लेफ्टनेंट जनरल (सेवा निवृत्त) एम. एम. लखेरा के साथ संयुक्त रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र पर संकेंद्रित-सामाजिक-आधारभूत-मुद्दों पर आधारित तृतीय-सम्पादक- सम्मेलन का उद्घाटन किया । इस अवसर पर, श्री वेलू ने सम्पादकों की सभा, जिसमें देशभर के सम्पादक उपस्थित थे, को सम्बोधित करते हुए कहा कि रेल मंत्रालय पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल की आधारभूत संरचना के विकास के लिए वचनबद्ध है। अंत में, उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा उठाये गये प्रश्नों का उत्तर दिया । श्री वेलू ने दिनांक 05.02.08 को डिगारू से हैबरगांव रेल-खण्ड का निरीक्षण किया तथा निरीक्षण के अंत में उन्होंने इस क्षेत्र की दो परियोजनाओं सेनचुवा-सिलघाट (62 कि.मी.) एवं हैवरगांव-मैराबाड़ी (44 कि.मी.) के पुनःस्थापन के साथ आमान-परिवर्तन कार्य की समीक्षा की। दिनांक 06-02-08 को उन्होंने विभिन्न-परियोजानाओं की भी समीक्षा की । श्री वेलू ने निर्माण संगठन के क्रियाकलापों की सराहना स्वरूप एक लाख रूपये के सामूहिक पुरस्कार की घोषणा की ।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शिलान्यास

शिलान्यास के दौरान मंच पर माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह

माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने दिनांक 31-01-2008 को अरूणाचल प्रदेश के इटानगर में आयोजित एक जन सभा में हारमुती से इटानगर तक नई बड़ी लाइन का शिलान्यास किया । माननीय रेल राज्य मंत्री श्री नारण भाई जे. राठवा भी उक्त कार्यक्रम में उपस्थित थे एवं सभा को सम्बोधित किया ।

अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड का पू. सी. रेल मुख्यालय का दौरा

श्री के. सी. जेना, अध्यक्ष रेलवे बोर्ड समीक्षा बैठक के दौरान श्री आशुतोष स्वामी, महाप्रबंधक पू.सी.रेल व श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक निर्माण के साथ परिलक्षित

श्री के. सी. जेना, अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड ने 7 से 9 मार्च, 2008 तक पू. सी. रेल, मुख्यालय/मालीगांव का दौरा किया । श्री जेना ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल-विकास, यात्री-आवागमन के लिए बेहतर यात्री-सुविधाओं, रेल-संरक्षा आदि विभिन्न विषयों पर पू. सी. रेल प्रशासन के साथ विचार-विमर्श किया । साथ ही,

संरक्षक
श्री शिव कुमार
महाप्रबंधक/निर्माण

मुख्य संपादक
श्री बकरीदन
मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि

संपादक
श्री सत्य प्रकाश यादव
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि

सहयोग
श्री शरद विधु शुक्ल
राजभाषा अधिकारी/नि

दिनांक 08-03-2008 को महाप्रबन्धक सम्मेलन कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में शामिल हुए एवं प्रेस कान्फ्रेंस में मीडिया के प्रश्नों के जवाब में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में भारतीय रेल की वचनबद्धता को दोहराया । श्री जेना ने इस अवसर पर कहा कि असम की सभी वृहत परियोजनाएं प्रगति पथ पर अग्रसर हैं एवं रंगिया से मुर्कोंगसेलेक तक आमान-परिवर्तन का कार्य प्रारम्भ हो चुका है जो नॉर्थ बैंक में बोगीबिल पुल से जुड़ जाएगी और इस प्रकार अपर असम एवं गुवाहाटी के बीच दूसरे वैकल्पिक रेल मार्ग का सृजन होगा । श्री जेना ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र की रेल परियोजनाओं के लिए ज्यादा निधि उपलब्ध करायी जा रही है । वर्ष 2007-08 के कुल 902 करोड़ रूपये परिव्यय की तुलना में वर्ष 2008-09 के लिए 1,269 करोड़ रूपये हैं ।

59 वां गणतंत्र दिवस समारोह

59 वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर श्री शिव कुमार, महाप्रबन्धक/ निर्माण ने मुख्यालय परिसर में ध्वाजारोहण किया, जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया । इस अवसर पर महाप्रबन्धक/निर्माण ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि पूर्वोत्तर सीमान्त रेल (निर्माण संगठन) पूर्वोत्तर क्षेत्र के सुदूरवर्ती क्षेत्रों को रेल सम्पर्क प्रदान करने में सर्वदा समर्पित रहा है । पू. सी. रेल, निर्माण संगठन अपने स्थापना वर्ष 1979 से निरन्तर पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए रेल परियोजनाओं जैसे नई लाइनें, आमान-परिवर्तन, दोहरीकरण एवं अन्य स्वीकृत कार्यों के निर्माण के प्रबन्धन, नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण का कार्य करता रहा है जिसके परिणामस्वरूप अब तक कुल 594 कि.मी. नई लाइनें, 1278 कि.मी. आमान-परिवर्तन तथा 251 कि.मी. दोहरीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है जो संगठन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रतीक है ।

रेल अभिसमय समिति का दौरा

अगरतला में रेल अभिसमय समिति के अध्यक्ष व सदस्य वरिष्ट रेल अधिकारियों से विचार-विमर्श करते हुए

दिनांक 09-01-2008 को अगरतला में 'पिछड़े क्षेत्रों के विकास में रेलों की भागीदारी' विषय पर रेल अभिसमय समिति ने महाप्रबन्धक/निर्माण तथा मंडल रेल प्रबन्धक/कटिहार के साथ अनौपचारिक विचार-विमर्श किया । समिति को पूर्वोत्तर क्षेत्र में निर्माण परियोजनाओं की स्थिति तथा पिछड़े क्षेत्रों के विकास में रेल की भूमिका के साथ-साथ क्षेत्र में पेश आने वाली कठिनाईयों से भी अवगत कराया गया ।

संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष का कूचबिहार दौरा

संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री बासुदेव आचारिया ने दिनांक 11-02-2008 को कूचबिहार का दौरा किया तथा न्यू मैनागुड़ी-न्यू कूचबिहार नई बड़ी लाइन परियोजना की प्रगति के बारे में विचार-विमर्श किया । उन्होंने इस परियोजना के कालजनी नदी पर पुल संख्या 132 (6X45.7 मी.) सहित कुछ अन्य कार्य स्थलों का भी निरीक्षण किया ।

मंत्रिमंडल सचिव का गुवाहाटी दौरा

मंत्रिमंडल सचिव ने दिनांक 15.2.08 को अपने गुवाहाटी दौरे के दौरान असम राज्य में निष्पादित की जा रही परियोजनाओं पर सुरक्षा-व्यवस्था की समीक्षा की । बैठक के दौरान श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण द्वारा सुरक्षा की आवश्यकता पर एक प्रेजेन्टेशन प्रस्तुत किया गया ।

शहादत दिवस समारोह

30 जनवरी, 2008 को शहादत दिवस के अवसर पर निर्माण संगठन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा 2 मिनट का मौन रखा गया ।

श्री ए. के. निगम, सलाहकार (आई. आर.) रेलवे बोर्ड का निरीक्षण

सलाहकार (आई. आर.) रेलवे बोर्ड, श्री ए. के. निगम का स्वागत करते हुए श्री बकरीवन, मुराधि/नि. एवं श्री सत्य प्रकाश यादव, उपमुराधि/नि.

श्री ए. के. निगम, सलाहकार आई. आर. रेलवे बोर्ड ने दिनांक 01-01-2008 को अपने मालीगांव दौरे के क्रम में निर्माण-संगठन के राजभाषा-विभाग के क्रियाकलापों का निरीक्षण एवं समीक्षा की । अपने निरीक्षण के दौरान श्री निगम ने राजभाषा विभाग के क्रियाकलापों पर अपनी संतुष्टि जतायी एवं टंकण प्रशिक्षण हेतु उचित कार्रवाई सम्बन्धी सुझाव भी दिया । रेलवे बोर्ड ने राजभाषा विभाग/निर्माण संगठन के प्रशंसनीय कार्य की सराहना करते हुए 10,000/- रूपये के पुरस्कार की स्वीकृति प्रदान की है ।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का एक दृश्य

श्री शिव कुमार, महाप्रबन्धक/निर्माण की अध्यक्षता में दिनांक 12-02-2008 को वर्ष 2007-08 की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चौथी बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राजभाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें रेलवे बोर्ड द्वारा नामित प्रेक्षक श्री सैयद हामिद अली ने भी भाग लिया एवं राजभाषा विभाग द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना की एवं इसके और विस्तार के लिए अपने अमूल्य सुझाव दिये ।

फील्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम

फील्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान महाप्रबन्धक/निर्माण सहित अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए

दिनांक 21-01-2008 से 23-01-2008 तक मालीगांव में भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान द्वारा "सुरंगों के अभिकल्प एवं निर्माण" तथा "संविदा एवं पंचाट" विषय पर फील्ड-प्रशिक्षण-कार्यक्रम आयोजित किया गया । इसमें पू. सी. रेल (निर्माण) मुख्यालय एवं फील्ड यूनिट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया ।

श्री सैयद हामिद अली प्रेक्षक रेलवे बोर्ड का स्वागत करते हुए श्री बकरीवन, मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि.

अपर महानिदेशक/कानून व्यवस्था/ असम सरकार के साथ बैठक

दिनांक 08-02-08 को हाफलांग में लामडिंग-सिलचर आमान-परिवर्तन परियोजना पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए अपर महानिदेशक/कानून व्यवस्था/असम सरकार एवं महाप्रबन्धक/निर्माण के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें कानून-व्यवस्था के चलते कार्य में आ रही रूकावट पर चर्चा की गयी एवं उसे सुधारने का अनुरोध किया गया, जिससे कि रेल परियोजनाओं को समय से पूरा किया जा सके ।

स्थानांतरण

श्री अरविन्द कुमार, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-I का स्थानांतरण दिनांक 29-02-2008 को मैट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड, बैंगलोर हो गया है ।

श्री एम. एल. चहर, मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण-II ने दिनांक 29-02-2008 को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ग्रहण की ।

पदस्थापन

श्री वंश बहादुर, ने दिनांक 30.01.2008 को मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/निर्माण का पदभार ग्रहण किया।

श्री सोने लाल, ने दिनांक 30.01.2008 को उप मुख्य परिचालन प्रबंधक/निर्माण का पदभार ग्रहण किया।

निर्माण संगठन की उपलब्धियाँ

(i) कटिहार-जोगबानी आमान परिवर्तन परियोजना में ट्रैक लिंकिंग का कार्य पूरा कर मेटिरियल गाड़ी चलायी गयी है। ई. सी. रेलवे की तरफ से छोटी लाइन के यातायात के लिए एक नया एकाकी एम जी यार्ड चालू किया गया है । सेक्शन में पाकुर बैलास्ट की 20 रेक उतारी गई हैं। दिनांक 01-01-08 से लिये गये मेगा ब्लॉक में योजनानुसार अन्य गतिविधियां प्रगति पर हैं।

(ii) कुमारघाट-अगरतला नई लाइन परियोजना के अन्तर्गत अगरतला-जोगेन्द्रनगर-जिरानिया-ब्रिगुदासपाड़ा सेक्शन (31 कि.मी.) ट्रैक लिंकिंग कार्य पूरा कर लिया गया । इसके साथ ही 109 कि.मी. लम्बी परियोजना की एक सुरंग में 85 मी. खुदाई तथा ट्रेक लिंकिंग 38 कि.मी. बाकी रह गया है ।

(iii) सेनचुवा-सिलघाट आमान परिवर्तन परियोजना के अन्तर्गत पुल संख्या 21 (2 X 45.7 मी.) का कार्य पूरा कर लिया गया तथा दिनांक 15-02-08 को पुल के ऊपर से इंजन चलाया गया । इसके साथ ही सेक्शन को अब सामग्री-संचलन के लिए 62 कि.मी. में से प्रथम 53 कि. मी. खोल दिया गया है ।

(iv) दिनांक 29-02-08 को सेनचुवा-सिलघाट आमान परिवर्तन से सम्बन्धित चापरमुख-हैवरगांव सेक्शन में सेनचुवा स्टेशन को 'बी' क्लास क्रॉसिंग स्टेशन के रूप में पैनल इंटरलॉकिंग के साथ चालू किया गया ।

(v) सिलीगुड़ी डीजल शेड में प्रशासनिक भवन का निर्माण कार्य पूरा कर ओपन लाइन को सौंप दिया गया है ।

(vi) न्यू जलपाईगुड़ी-न्यू बंगाईगांव आमान परिवर्तन परियोजना के अन्तर्गत अलीपुरद्वार जंक्शन-बामनहाट लाइन सेक्शन में सेक्शनल गति 50 से बढ़ाकर 75 कि.मी. प्रति घण्टे कर, उपयोग के लिए ओपन लाइन के सुपुर्द कर दिया गया है ।

(vii) जिरीबाम-तुपुल नई लाइन परियोजना- इसके अन्तर्गत तामेंगलांग जिले में 10 हेक्टेयर भूमि मणिपुर सरकार से ले ली गयी है । इसके साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा स्वीकृत प्राक्कलन अनुसार कि.मी. 0 से 10 के बीच कुल 93 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है । इस खंड पर भू-कार्य तथा पुलों का कार्य शुरु हो गया है।

शब्द-ज्ञान

Back log	:	पिछला बक़ाया	Bid	:	बोली, बोली लगाना
Badge	:	बिल्ला, बैज	Bifurcate	:	द्विभाजन
Blanket deal	:	व्यापक सौदा	Bilateral	:	द्विपक्षीय
Bequest	:	वसीयत	Benevolence	:	हितकारिता

राष्ट्रीय परियोजनाएँ

कुमारघाट से अगरतला तक बई बीजी लाइन (109 कि.मी.)
(संशोधित लक्ष्य- मई, 2008)

मानु-अम्बासा खंड पर पहला इंजन चलाया गया

कुमारघाट-मानु (20कि.मी.) खंड दिनांक 27-12-2002 को चालू हो गया था । मानु-अम्बासा खंड (20 कि.मी.) मार्च, 08 में तैयार हो गया है। शेष खंड की प्रगति पूरी गति पर है । 3 (तीन) सुरंगों का जटिल कार्य प्रगति पर है । सुरंग संख्या 1 एवं 3 का काम पूरा हो चुका है । सुरंग संख्या 2 की खुदाई का कार्य प्रगति पर है । 3 अदद सुरंगों की समग्र संचयी प्रगति कुल 4872 आर एम में से 4635 आर एम है । मई, 08 तक कार्य समापन की सम्भावना है ।

जिरिबाम से तुपुल (इम्फाल) (98 कि.मी.) तक नई बड़ी लाइन
(लक्ष्य - मार्च, 2011)

इस शाखा के निर्माण के प्रथम 9.9 कि. मी. की आंशिक स्वीकृति प्राप्त हुई है । इस हिस्से के लिए भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है । भू-कार्य तथा छोटे-बड़े पुलों के लिए निविदा आवंटित की जा चुकी है । कार्य प्रगति पर है। अब तक 10 लाख क्यूबिक मीटर का भू-कार्य एवं दो छोटे पुलों का कार्य पूरा हो चुका है । 63 कि.मी. लम्बाई के लिए अन्तिम स्थान सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है । क्षेत्र में दुर्गम स्थलों तक एप्रोच रोड का निर्माण तथा शेष हिस्से के सर्वेक्षण का कार्य प्रगति पर है ।

बोगीबिल के निकट ब्रह्मपुत्र नदी पर उत्तरी एवं दक्षिणी तट पर लिंक लाइन सहित रेल सह-सड़क पुल
(लक्ष्य - मार्च, 2012)

पुल के उत्तरी, दक्षिणी किनारे पर तटबन्धों, छोटे एवं बड़े पुलों, बोल्डर संग्रह, डाइक एवं सशक्तिकरण तथा ट्रैक लिंकिंग के निर्माण का कार्य पूर्ण प्रगति पर है । दिनांक 02-11-07 तथा 27-11-07 को मुख्य पुल के उप-संरचना के लिए तकनीकी एवं वित्तीय निविदाओं को खोला गया एवं निविदा समिति की अनुशंसाओं को पत्र सं-डब्ल्यू/362/नि/बोगीबिल/अधिसंरचना/एम बी/2007 दिनांक 02-01-08 को रेलवे बोर्ड को भेजा गया जिसकी स्वीकृति माननीय रेलमंत्री को प्रदत्त शक्तियों के अधीन है । नदी में पाया ए-1 एवं ए-2 तक उत्तरी एवं दक्षिणी मार्गदर्शी बांधों एवं सम्मुखी तटबन्धों के निर्माण के लिए निविदा आमंत्रित की गई है, जो दिनांक 20-03-08 को खोली गयी हैं और विचाराधीन हैं । उत्तरी एवं दक्षिणी मार्गदर्शी बांधों के सुरक्षा कार्य हेतु 4 एम एम जी आई वायर सासेज नेटिंग की बुनाई के लिए क्रय आदेश जारी कर दिया गया है।

न्यू डिब्रूगढ़ टाऊन स्टेशन पर संघटित डिब्बों के रखरखाव के पिट, सिक लाइन शेड, स्टेशन-भवन, स्टेशन पहुंच-सड़क, तथा परिसंचरी क्षेत्र के निर्माण का कार्य प्रगति पर है । प्लेटफार्म, वाशेबल-एप्रन लाइन्स तथा आइलैंड प्लेटफार्म का कार्य पूरा कर लिया गया है ।

लामडिंग-सिलचर-जिरिबाम, बदरपुर से बराईग्राम तथा बराईग्राम से कुमारघाट (367.79 कि.मी.) तक का गेज परिवर्तन
(लक्ष्य- मार्च, 2010)

पहाड़ी शाखा में उग्रवाद के कारण प्रगति अभी भी प्रभावित है । सभी चिह्नित कार्य स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था की उपलब्धता पर आगे की प्रगति निर्भर करेगी । लामडिंग-चन्द्रनाथपुर पहाड़ी शाखा में सक्रिय उग्रवादी संगठनों द्वारा ठेकेदारों को अभी भी धमकी एवं भयादोहन के रूप में भारी-भरकम राशि की मांग का सामना करना पड़ रहा है ।

रंगिया-मुरकोंगसेलेक का आमान परिवर्तन लिंक फिंगर्स के साथ (510.33 कि.मी.)
(लक्ष्य-मार्च, 13)

रंगिया-रंगापाड़ा नॉर्थ (123 कि.मी.) सेक्शन के कार्य के लिए प्राप्त आंशिक स्वीकृति अनुरूप भू-कार्य एवं पुलों का निर्माण कार्य नवम्बर, 07 से प्रगति पर है ।

आजरा से बरनीहाट (30 कि.मी.)
(लक्ष्य - निर्धारित नहीं)

अभिकल्प तथा नक्शा सहित अन्तिम स्थान-सर्वेक्षण के लिए ठेका परामर्शदाता को प्रदान किया गया है । असम भाग के अनुमोदित संरेखण के खिलाफ जनता के प्रतिरोध के कारण कार्य दिनांक 10-11-07 से स्थगित है । दिनांक 19-12-07 को राज्य सरकार के अधिकारियों एवं मुख्य इंजीनियर/नि. के साथ समस्याओं के निराकरण हेतु बैठक आयोजित की गई किन्तु कोई सकारात्मक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ । जिला प्रशासन के साथ तत्संबंधी विचार-विमर्श किया गया एवं बंदोबस्त अधिकारी एवं अंचल अधिकारी के साथ दिनांक 24-01-08 को संयुक्त सर्वे का निर्णय लिया गया, किन्तु सर्वे कार्य जन-प्रतिरोध के कारण नहीं किया जा सका । मामले के त्वरित निपटान के लिए मुख्य सचिव, असम सरकार को सूचित किया गया है । दिनांक 19-02-2008 को जिला आयुक्त/कामरूप (मेट्रो) के साथ मुख्य इंजीनियर/नि. ने एक बैठक आयोजित की तथा यह निर्णय लिया गया कि जिला प्राधिकारी द्वारा एक गजट अधिसूचना जारी की जाएगी । साथ ही दिनांक 27-02-08 को जिला आयुक्त/कामरूप (मेट्रो) को इस मामले में त्वरित कार्रवाई के लिए पत्र प्रेषित किया गया है ।

दिमापुर से कोहिमा (जुब्जा) (88 कि.मी.)
(लक्ष्य - निर्धारित नहीं)

अंतिम स्थान सर्वेक्षण के लिए राईट्स के माध्यम से दिनांक 29-02-08 को निविदा स्वीकृत की जा चुकी है ।

वर्ष 2007-08 की लक्ष्य निर्धारित परियोजनाओं की स्थिति

	प्रगति	लक्ष्य
♦ कटिहार-जोगबानी (आमान परिवर्तन)	90 %	मार्च, 08
♦ कुमारघाट-अगरतला (नई लाईन)	95 %	मई, 08
♦ रोनवोआ-सिलघाट (आमान परिवर्तन)	80 %	जून,08

वर्कशॉप

	प्रगति	लक्ष्य
♦ न्यू बंगाईगांव में वर्कशॉप का आधुनिकीकरण	70 %	जून, 08
♦ डिब्रूगढ़ कोच रिपेयर शॉप	100 %	कार्य पूरा हुआ। 8-2-2008 को ओपन लाइन के सुपुर्द कर दिया गया है।
♦ न्यू गुवाहाटी डीजल शेड का विस्तार	70 %	दिसम्बर, 08

2007-2008 का परिव्यय

♦ रेलवे बजट [संशोधित]	=	726.55	करोड़ रूपये
♦ राष्ट्रीय निधि [संशोधित]	=	335.00	करोड़ रूपये
♦ निक्षेप कार्य (रक्षा मंत्रालय)	=	12.66	करोड़ रूपये
कुल	=	1074.21	करोड़ रूपये

** रेलवे बोर्ड के दिनांक 31-01-08 के पत्र सं-2007-बी-115 के तहत राष्ट्रीय निधि का आवंटन किया गया।*

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य (लक्ष्य : 2007-08)

	प्रगति	लक्ष्य
♦ तिनसुकिया मंडल में 4 स्टेशनों पर मल्टी एंट्री एक्सेल काउंटर (पू.सी.रेल में प्रथम बार)	कार्य प्रगति पर	जून, 2008
♦ रंगिया मंडल में 14 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग	6 स्टेशन चालू होने को तैयार	जून, 2008
♦ कामाख्या के इर्द-गिर्द 4 ब्लॉक सेक्शन में बी. पी. ए. सी. कार्य (पू. सी. रेल में प्रथम बार)	कामाख्या-आगथोरी सेक्शन चालू किया गया शेष सेक्शन में कार्य प्रगति पर है	मई, 2008
♦ कटिहार-नालदा-गुवाहाटी के बीच मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार प्रणाली	गुवाहाटी-न्यू बंगाईगांव सेक्शन पर चालू हो गया है तथा न्यू बंगाईगांव-न्यू जलपाईगुड़ी में तैयार है	जून, 2008
♦ कुमारघाट-अगरतला (109 कि.मी.) में ओ एफ सी 6 ब्लाड संचार प्रणाली	कुमारघाट-मानु-अम्बासा सेक्शन में चालू हो गया है। अम्बासा-अगरतला (69 कि.मी.) कार्य प्रगति पर	जून, 2008

यातायात सुविधा

	प्रगति	लक्ष्य
♦ कटिहार यार्ड का पुनर्निर्माण	90 %	मार्च, 2008
♦ कामाख्या स्टेशन में कोचिंग की सुविधा (फेस-I)	100 %	-
♦ कामाख्या स्टेशन में कोचिंग की सुविधा (फेस-II)	20%	मार्च, 2009

चालू सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति	पूरा करने की लक्ष्य तिथि
1	सराईघाट पर दूसरे रेल पुल का आर ई टी एस द्वारा सर्वेक्षण	2007-08	असम	100%	मार्च, 08
2	डंगरी से धीला तक नई लाइन	2007-08	असम	100 %	मार्च, 2008
3	गुंजारिया से गाजोल (120 कि.मी.) तक नई लाइन का आर ई टी एस द्वारा सर्वेक्षण	2006-07	पश्चिम बंगाल	60 %	सितम्बर,2008
4	बरनीहाट से शिलांग तक नई लाइन	2007-08	मेघालय	25%	दिसम्बर,2008
5	जोगीघोपा-पंचरत्न से सिलचर तक नई लाइन	1994-95	असम तथा मेघालय	25 %	दिसम्बर,2008
6	रूपाई से महादेवपुर, नामशोई चेंगखाम (अ.प्र.) होकर परशुरामकुंड तक (103 कि.मी.) नई लाइन का आर ई टी द्वारा सर्वेक्षण	2007-08	असम तथा अरूणाचल प्रदेश	15 %	मार्च, 2009

कहानी

दृष्टिहीन

-सीमा वाजपेई

'गोलू, गोलू' डा. सावन्त की वही चिरपरिचित आवाज अपने रोज के समय पर मेरे 12 वर्षीय भतीजे को पुकार रही थी । गोलू पढ़ाई लिखाई खेलकूद सभी में आगे ही रहता है और डॉ. सावन्त ही उसके प्रेरणा स्रोत हैं । डॉ. सावन्त कृषि विश्वविद्यालय के हर्टीकल्चर विभाग के अध्यक्ष थे । देश विदेश के कितने ही सभा-समारोह में उन्हें आमंत्रित किया गया । हमारे पड़ोस में उन्होंने लगभग 35 वर्ष पहले अपना खूबसूरत बंगला बनवाया था । सेवा निवृत्ति के पश्चात् सपरिवार यहीं बस गये हैं । उनका बेटा आदित्य पढ़ाई में कभी अच्छा नहीं था । आजकल किसी सर्विस प्रोवाईडिंग कम्पनी का प्रतिनिधि है । बहू अलका और पोती वर्षा दोनों को ही सजने संवरने का बहुत शौक है । पूरे मुहल्ले को लेटेस्ट फैशन की सूचना उन्हीं से मिलती है ।

शराब और चमक-दमक भरी जिन्दगी जीने का आदी आदित्य कमाता तो अच्छा है पर इतना नहीं कि अपने परिवार का खर्चा उठा सके । हाँ तनख्वाह के रूप में जेब खर्च तो मिल ही जाता है ।

डॉ. सावन्त की बाईं आँख का आपरेशन बिगड़ गया था । पिछले नौ वर्षों से वह आँख बेकार है । अब दाहिनी आँख का मोतियाबिन्द भी पक गया है । पिछले डेढ़ वर्ष से उन्हें प्राय: कुछ नहीं दिखता । गोलू रोज सुबह उन्हें अखबार पढ़कर सुनाता है और शाम को उनके लिये पत्रादि लिखता है । आज भी घर उन्हीं की पेंशन व यत्र-तत्र इन्वेस्टेड पूंजी के बल पर ही चल रहा है । हमारी सुबह तो डा. साहब के पुकारने से शुरू होती है । दोपहर की नींद वर्षा के तेज आवाज में बजते म्यूजिक सिस्टम से टूटती है। और जब डाक्टर साहब और आदित्य के बीच का विवाद सभ्यता की सीमाएं लांघने लगता है तो हम जान जाते हैं कि अब सोने का समय हो गया है ।

मगर आज तो सुबह से चीखने चिल्लाने की आवाज आ रही है । अच्छा है गोलू अखबार सुना कर स्कूल चला गया । आदित्य का मन अपनी उस लाल चमचमाती बाइक से भर गया है । उसे अब बड़ी सी कार चाहिए । अलका और वर्षा की भी यही राय है । डॉक्टर साहब अपनी जमा पूंजी से दस-बारह लाख रूपये नहीं निकालना चाहते..... ।

.....'पता नहीं, इतने रूपयों का क्या करेगा यह बुड्ढा ?..... पेट में आंत नहीं, मुंह में दाँत नहीं पर पैसे का मोह नहीं छुटेगा' आदित्य चिल्ला रहा था । आज तो अलका भी साथ थी । "आखिर क्या करेगा तू इतने पैसों का। कल जो हम को ही मिलने हैं, तो आज क्यों नहीं ?" अलका की कर्कश आवाज आई । तभी डाक्टर साहब की 14 वर्षीय पोती का स्वर सुनाई दिया 'एक्चोली मॉम्, अन्धे को बाइक और कार का फर्क ही कहाँ मालूम ?'

डाक्टर साहब का स्वर न जाने कहाँ खो गया । थोड़ी देर बाद देखा उन्हें एम्बुलेंस से अस्पताल ले जा रहे थे । शाम को गोलू के साथ उन्हें देखने गई । "आदित्य में दूरदृष्टि नहीं है", डाक्टर साहब ने डबडबाई आवाज में कहा' मैंने तो ये पैसे वर्षा के ब्याह के लिए रखे थे ।' .....' दूरदृष्टि.....?' अस्पताल से लौटते समय यही प्रश्न कौंध रहा था.. ! दृष्टिहीन कौन है.....!!!

कविता

बदहाल इंसानियत

- श्री एस. बी. शुक्ल 'सिफर'
राजभाषा अधिकारी/नि

कल रात एक भयानक नजारा हुआ
हर कब्र का मुर्दा बाहर खड़ा था
खस्ता हाल पैरहन और चेहरे पे बदहवासी
कइयों के तो जनाब होश फाख्ता थे...!
सिफर भी छोड़ अपने ख्वाब उनसे मुखातिब हुआ
सौ कोशिशें की पर कोई मुर्दा टस से मस न हुआ...
जनाब शायर अपना सर धुनने लगे
आदत से मजबूर
जब तक पिछला पूरा न हो
आगे कैसे बढ़ें .....?

लगातार बौराये शायर को देख एक
सड़े लोथड़ों में झांकती हुई
हड्डियों के ढांचे ने,
अपने लिथड़ते पैरहन की परवाह न कर
कदम आगे बढ़ाये
अबे हम अपनी कब्र के दायरे में
अन्दर रहें या बाहर... तुझे क्या परेशानी है ?
बौखलाये शायर को राहत हुई...
वो यूँ बोला जनाब, बाकी सब तो ठीक है पर
आप ये बतायें, आप जैसे शालीन
ये बदतमीजी क्यों कर रहे हैं.....?
कब्रिस्तान के शांत माहौल में
खालिस्तान क्यों बना रहे हैं.....?

खनकती आवाज में उस ढांचे ने
गहरी सांस लेकर कहा....
...जिन्दा इंसानों ने इंसानियत का
इतना खून बहाया है कि
उसके सैलाब ने हमारी
कब्रों को खून में डुबोया है
हम खड़े हैं कब्र के बाहर
अन्दर जख्मी इंसानियत को ठहराया है.....!!

कविता

अपरिचित

सत्य प्रकाश यादव
उपमुराधि/नि.

अपरिचित व अन्जाना
मुखौटा पहने कौन है...
जो इस धरा की फिजा में नफरत घोल रहा है
जो आंतक व कट्टरता की भाषा बोल रहा है
जो दिन के उजाले में स्वेत नजर आता है
रात के अंधेरे में वहशी बन जाता है..
कौन है वो अपरिचित
एक वो कंस व दूजा दुर्योधन था
चीखता-चिल्लाता था, सामने गुर्राता था
अनादर व अत्याचार हर कर्म में अपनाता था
और ये आज के कंस व दुर्योधन
प्यार से मुस्काते हैं
हाथ भी मिलाते हैं
हाथ को मिलाने पर सीने से लग जाते हैं
सीने से लगते ही, पीठ में खंजर घोप जाते हैं
कौन है वो अपरिचित व अन्जाना
जहाँ भी मुझे कोई शख्स नजर आता है
मुझे उस शख्स में भगवान नजर आता है
आखिर वो कौन शख्स है... ?
जो खून का दरिया बहा रहा है
हर शय पर दानवता का सितम ढा रहा है
अपरिचित सा अन्जाना सा
कौन है, कौन है वो... ।

विदाई समारोह के दौरान श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि, एवं अन्य अधिकारीगण

बधाई/शुभकामनाएं

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

15 अप्रैल,	श्री के. टी. बेचो, उप मुख्य वित्त सलाहकार एवं मुलेधि/नि-II
17 अप्रैल,	श्री महेन्द्र सिंह, उप मुख्य इंजी/नि/डिब्रूगढ़-I
18 अप्रैल,	श्री एस. के. पटेल, उप मुख्य इंजी/नि/सिलचर-II
30 अप्रैल,	श्री टी. वी. भूषण, उप मुख्य इंजी/नि/न्यू जलपाईगुड़ी
03 मई,	श्री राजेश कुमार, उप मुख्य इंजी/नि/डिब्रूगढ़-II
03 मई,	श्री वाई. एस. बाकडे, उप मुख्य बिजली इंजी/नि.
17 मई,	श्री शैलेन्द्र प्रसाद, उप मुख्य इंजी./नि/लामडिंग-IV
20 मई,	श्री सत्य प्रकाश यादव, उप मुख्य इंजी./नि/अगिकल्प-II
03 जून,	श्री अजय प्रधान, महाप्रबन्धक/नि. के सचिव

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

29 अप्रैल,	श्री कमलेश चक्रवर्ती, उपमुख्य वि.स.एवं मुलेधि/ नि-III
26 अप्रैल,	डी. आर. टेम्भूने, उप मुख्य इंजी/नि/अलीपुरद्वार
02 मई,	श्री एस गरूड़, मुख्य इंजी/नि-V।
14 मई,	श्री के. टी. बेचो, उपमुख्य वित्त सलाहकार एवं मुलेधि/नि-II
13 जून,	श्री वी. के. मधुकर, मुख्य इंजी/नि-III
19 जून,	श्री बी. चौधरी, मुख्य इंजी/नि-V

सेवा निवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह

सेवा निवृत्त अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि, श्री राधे श्याम, मु. प्रशा. अधि./नि एवं श्री वकरीवन, मुकाधि/नि

31 मार्च, 2008 को सेवानिवृत्त दो अधिकारियों एवं चार कर्मचारियों के लिए एक विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों/कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति का भुगतान (फाइनल सेटलमेंट के कागजात) महाप्रबन्धक/निर्माण महोदय के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया। साथ ही सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को महाप्रबन्धक द्वारा स्वर्ण जड़ित चांदी के पदक भी प्रदान किये गये । इस कार्यक्रम में महाप्रबन्धक महोदय के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण तथा कार्यालय के कर्मचारी भी शामिल हुए ।

राजभाषा अनुभाग/निर्माण की ओर से वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी/निर्माण द्वारा प्रकाशित, दूरभाष : 2572794, 23012, 98640-12934
मुद्रक : दास ग्राफिक्स एण्ड आफसेट प्रेस, मालीगांव, गुवाहाटी-781012, दूरभाष : 98641-01480, 94351-43284